इस्पात का उत्पादन

1119. **श्री यशवन्त सिंह कुशवाह** : क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष में तथा पिछले दो वर्षों में प्रत्येक देश में इस्पात का कितना-कितना उत्पादन हुआ है; और

(ख) देश में क्रमशः कितने इस्पात का निर्यात तथा उपयोग किया गया और इसका शेष भण्डार कितना बचा है ?

इस्पात और भारी इन्जीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) देश में पिछले तीन वर्षों में उत्पादित इस्पात पिण्ड और विक्रेय इस्पात की मात्रा इस प्रकार है :—

(हजार टन)

	1968-69 (दिसम्बर 1968 तक)	1967-68	1966-67
इस्पात पिण्ड (जो बिक्री के लिए नहीं थे)	4,666	6,171	6,462
विक्रेय इस्पात	3,382	4,437	4,752

(ख) इस्पात के निर्यात की मात्रा, देश में खपत की मात्रा तथा उसके स्टाक की मात्रा निम्न प्रकार है :—

(हजार टन)

	1968-69 (दिसम्बर 1968 तक)	1967-68	1966-67
निर्यात किया गया इस्पात (इसमें कच्चे लोहे का निर्यात शामिल नहीं है)।	531	666	2908
देश में प्रयुक्त इस्पात	2,751	3,837	4461
मास की अंतिम तिथि को विक्रेय इस्पात का स्टाक	213 उपलब्ध नहीं है।	उपलब्ध नहीं है।	

Export of Mangoes

1120. SHRI K. SURYANARAYANA: Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) the quantity and value of mangoes exported to the various countries during the last five years upto the 30th June, 1968 and the amount of foreign exchange earned thereby; and

(b) the varieties of mangoes which were exported from various States ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK): (a) A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See No. LT—131/69*]

(b) Information is not available as statistics of exports of mangoes are not maintained variety-wise/state-wise.

राजस्थान में फास्फेट मिट्टी के निक्षेप

1121. **श्री भोला नाथ मास्टर** : क्या **इस्पात, खान तथा धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उदयपुर, राजस्थान में बड़ी मात्रा में फास्फेट मिट्टी के निक्षेप मिलने के बावजूद भी सरकार उर्वरकों के निर्माण के लिए विदेशों से फास्फेट मिट्टी का आयात कर रही है; और

(ख) क्या फास्फेट मिट्टी के आयात को समाप्त करने के उद्देश्य से उदयपुर क्षेत्र में इन खानों का विकास करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगन्नाथ राव) : (क) रॉक-फास्फेट की सारी आव-

श्यकताएं इस समय आयात की जा रही हैं क्योंकि देश में पाये जाने वाले सभी निक्षेप अभी अन्वेषणावस्था में हैं।

(ख) जी, हां।

रैमिंगटन रेंड टाइपराइटरों का निर्माण

1122. **श्री भोला नाथ मास्टर** : क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रैमिंगटन टाइपराइटरों को बनाने वाली कम्पनी को छोटे टाइपराइटर निर्माण करने के लिए संयंत्र लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन टाइपराइटरों का निर्माण करने के लिए केवल मैसर्स जे० के० बिजनेस मशीन्ज लिमिटेड को अनुमति दी जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). भारत के मैसर्स रैमिंगटन रैण्ड ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 के अन्तर्गत प्रतिवर्ष 12000 पोर्टेबिल टाइपराइटरों के निर्माण की क्षमता के लिए लाइसेंस प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र दिया है। कम्पनी का आवेदन सरकार के विचाराधीन है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

पश्चिमी रेलवे की यात्री रेलगाड़ी संख्या 161

1123. **श्री भोला नाथ मास्टर** : क्या **रेलवे मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नये बने राज्यों और जिलों को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय का कोई ऐसा नीति निर्णय लेने और उसे तुरन्त क्रियान्वित करने का विचार है, जिससे कि दिन में कम से कम एक रेल गाड़ी जिला मुख्यालय से चले और प्रातः दस बजे राज्य की राजधानी में पहुंचे और शाम को यात्रियों को जिला मुख्यालय तक वापिस ले जाये, जिससे यात्रियों को एक अतिरिक्त दिन के लिये न रुकना पड़े; और

(ख) क्या इस प्रकार की सुविधा की व्यवस्था करने के विचार से पश्चिम रेलवे की तेज चलने वाली यात्री गाड़ी संख्या 161 की समय सारिणी इस प्रकार बनाने का विचार है जिससे अलवर शहर के यात्री ले जाने वाली यह रेलगाड़ी रिवाड़ी से चले और 12 बजे से पहले जयपुर पहुँच जाये और शाम को 5 बजे जिला मुख्यालय के लिये चल पड़े ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) परिचालन की दृष्टि से यह संभव नहीं है कि प्रत्येक जिला प्रधान कार्यालय को राज्य की राजधानी के साथ सुझाये गये तरीके के अनुसार जोड़ा जाये। फिर भी राज्य की राजधानी में आने-जाने वाले यात्रियों की आवश्यकताओं को समय-सारिणी बनाते समय ध्यान में रखा जाता है और बहुत से जिला नगरों के लिए इस प्रकार की सुविधा की व्यवस्था की गयी है।

(ख) 161 अप/162 डाउन सवारी गाड़ियों को जयपुर तक आने-जाने के लिए बढ़ाना और सुझाव के अनुसार इनका समय फिर से निर्धारित करना संभव नहीं है, क्योंकि इन गाड़ियों के समय में कोई बड़ा परिवर्तन करने से रिवाड़ी-अलवर खण्ड से अदालत और सरकारी कार्यालयों आदि के लिए अलवर जाने वाले यात्रियों को बहुत असुविधा होगी। 161 अप और 4 बी०आर०आर० रतन गढ़-रिवाड़ी